पुलिस अफसर एमपीज और एम एल एज की बात सुन लें लेकिन काम अपने मन का करें। अगर भ्रष्ट पुलिस अफसरों को इस तरह की छूट दी जायेगी तो वे इस सदन, सरकार और सारे देश की गरिमा को नष्ट कर देंगे। जापान के इतिहास में, जब वहीं पर सम्राट का शासन था तो उस समय ब्युरोक्रैसी को बहुत ज्यादा अधिकार दे दिए गऐ थे जिसका नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे उन्होने सम्राट को ही समाप्त कर दिया और खुद शासन पर कब्जा कर लिया। ब्युरोक्रैसी को समाप्त करने के लिए पिछली सरकार ने कुछ भी नही किया और इस शासन ने भी कुछ नही किया। मैं जानना चाहता हू कि नौकरशाहों के विरुद्ध गृह मंत्री जी क्या कदम उठा रहे है और क्या उसकी जांच करने के लिए कोई इंक्वायरी सेटअप कर रहे है या केवल राज्य सरकारों की बात मान कर ही संतोष कर लेंगे ?

श्री धनिक लाल मण्डल: अगर माननीय सदस्य कोई स्पेसिफिक नाम देंगे तो हम जरूर जाच करवायेंगे : पुलिस की इमेज को बढाने के लिए कई प्रयास हो रहे हैं जो कि माननीय सदस्य की जानकारी मे हैं। पुलिस कमीशन की स्थापना की गई है जिसकी अनुशसा की प्रतीक्षा है। उसकी अनुशसा प्राप्त होने पर उचित अमल किया जायेगा। इसके अलावा यदि माननीय सदस्य का किसी खास घटना या खास व्यक्ति से सम्बन्ध हो, यदि उसका नाम व बतायेंगे तो जरूर उस की जाच करवाई जायेगी।

MR. DEPUTY SPEAKER: Now matters under Rule 377.

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): Before you proceed to next item, I want to make a submission.

MR. DEPUTY-SPEAKER: About what?

SHRI KANWAR LAL GUPTA: It is a very important one.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You just cannot get up and make any submission. Unless you have informed me earlier, it is not possible.

Shri Manohar Lal.

12.33 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED MANUFACTURE OF SPURIOUS DRUGS IN KANPUR

श्री मनोहर लाल (कानपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, नियम 377 के अन्तर्गत मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कानपुर उत्तर भारत का एक बहुत बडा औद्योगिक शहर है। जितना बड़ा वह औद्योगिक शहर है उतनी ही बड़ी-बड़ी समस्याओ का भी वह शहर है। अभी कुछ दिनो पहले वहा पर स्वदेशी काटन मिल मे औद्योगिक समस्या पैदा हुई थी जिसके सम्बन्ध मे मैंने इस सदन मे शंका प्रकट की थी कि दो सौ मजदूर गोली से मारे गए।

उसी प्रकार की एक दूसरी गम्भीर समस्या की ओर से इस सदन का ध्यान आकर्षित कर रहा हू। कानपुर के अलावा उन्नाव और नैपाल मे नकली दवायें बनाने के कारखाने बडे जोर-शोर से चल रहे हैं : नकली दवाए कानपुर शहर मे बड़ी मात्रा मे बनाई जा रही है। नकली दवाइया बनाने के बडे-बडे कारखाने वहा पर स्थापित हो गए है। केवल कानपुर मे ही नही, उन्नाव और नैपाल मे भी कारखाने लगे हुए है। अभी एक साल पहले कानपुर मे नकली ग्लूकोज काण्ड हुआ था। नकली ग्यूकोज अस्पतालो को सप्लाई किया गया

[श्री मनोहर लाल]

था जिसके कारण 40 आदमी मारे गये थे : इसी तरह से आज फिर कानपुर मे बडे स्तर पर नकली दवायें बन रही हैं। ये दवायें कानपुर मे ही नही, बल्कि सारे उत्तर प्रदेश मे, देश के अन्य प्रान्तो मे सप्लाई होती है। बहुत बडे सक्रिय गिरोह है, जो इन दवाओ को बनाते है और बनाने के बाद इन को अस्पतालो को बेचा जाता है, कैमिस्ट्स को बेचा जाता है, जहा उन दवाओ को मरीजो को दिया जाता है, इस तरह से वे लोग देश के जन-जीवन के साथ खिलवाड कर रहे है।

मैंने इस सम्बन्ध मे उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान भी आकर्षित कराया है और आज केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकर्षित करा रहा हू, ताकि जा इस तरह की नकली दवाओ के बनाने के कारखाने है उन को अविलम्ब बन्द किया जाय और जो लोग ऐसा काम करते है उन को सख्त-से-सख्त सजायें दी जाय। बल्कि मेरा सुझाव तो यह है कि जिन नकली दवा बनाने वालो को पकडा जाय, उन को फासी की सजा दी जाय।

दूसरी बात—जो बडे-बडे अधिकारी वर्ग है, ये लोग जनता पार्टी की सरकार को बदनाम करने मे लगे हुए है। इन लोगो की साजिश से ही इस तरह की घटनायें होती है जैसे अभी एक माननीय सदस्य डा० अम्बेदकर की बात कह रहे थे, उसी तरह से नकली दवाओ के जो कारखाने चल रहे हैं इन मे पैसो का भी लेन-देन होता है और स्वास्थ्य विभाग के बडे-बडे अधिकारियो से उन की साठगाठ होती है : इसलिए हम चाहेंगे कि जिन बडे-बडे अधिकारियो का हाथ इन कारखानो के चलाने मे होता है उन के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए और इन नकली दवाओ के कारखानो को बन्द किया जाना चाहिए।

(ii) IMPENDING CLOSURE OF BENGAL IMMUNITY COMPANY

SHRI SAUGATA ROY (Barrackpore) Sir, under Rule 377, I place the following very important matter before the House

The Bengal Immunity Company which is a pioneer pharmacetical manufacturing company of India and which was founded 60 years ago at the initiative of great people like Sir Nilratan Sircar, Sir Kailash Chandra Bose and Dr Bidhan Chandra Roy, is now facing closure and the management have already given notice of their intention to close down the factory

About 2,100 workers are working in this Bengal Immunity Company and all their families are threatened by this closure Not only that The Bengal Immunity Company has units in Calcutta, Delhi, Lucknow and various other parts of India It has got one of the best full-fledged research institutes for bacteriological and immunological control which is also recognised by the Ministry of Education and under which lot of people are doing research It is manufacturing such Life-saving drugs as Antitetanus vaccines, anti-Diptheria vaccines, Gas-gangrene Antitoxins, Normal Sera Vaccines, including toxoids It also manufactures pharmaceutical chemicals and drugs like Synthetic drugs, Antacids, peptones and Fine Chemicals, Formullated products like Vitamins, Minerals, Hormones Alkaloids, Aminoacids, Enzymes and other phamaceuticals

Sir, this Company has already given notice of closure as a result of which there will be shortage of these Life-savings drugs and the Serum in the market The management of the Company has already approached the Government of West Bengal to approach the Union Government especially the Ministry of Petroleum and Chemicals, to take over this Company